MSK-21

’संस्कृत साहित्य में विज्ञान’ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(PGSKT)

सत्रीय कार्य (Assignment)

(जुलाई, 2025 एवं जनवरी, 2026 सत्रों के लिए)

MSK-21 संस्कृत वाङ्.मयः में विज्ञान परम्परा

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

संस्कृत साहित्य में विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

MSK-021

सत्रीय कार्य (2025–26)

पाठ्यक्रम कोड : MSK-021/2025-26

प्रिय छात्रों / छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है, इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।
उद्देश्य : आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, इसी का मूल्यांकन करना इस सत्रीय कार्य का उद्देश्य है, यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये–

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे प्रदर्शित है:

अनुक्रमांक:...
नाम :..
पता :...

पाठ्यक्रम का नाम / कोड :........................
सत्रीय कार्य कोड :......................................
अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड :...................................
दिनांक :..

3) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का प्रयोग करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
4) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक तवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अन्तिम तिथि :

जुलाई 2025 सत्र के लिए : 30 अप्रैल, 2026
जनवरी 2026 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर, 2026

विशेष ध्यातव्यः

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगाः

1. **अध्ययनः** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। पुनः इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी महत्वपूर्ण बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यासः** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबन्धात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।
3. यह सुनिश्चित कर लीजिए किः
   क) आपका उत्तर तार्किक एवं क्रमबद्ध हो।
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्टता हो।
   ग) दिया गया उत्तर आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) कोई भी उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक न हो।
   ड.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों।
4. **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएं, तो उसको साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
5. **विशेषः** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

नोट : विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

संस्कृत वाङ्.मयः में विज्ञान परम्परा
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : MSK-021
सत्रीय कार्य कोड : MSK-021/2025-26
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य 02 खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। 15 अंक प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए। 10 अंक के प्रश्नों का लगभग आठ सौ शब्दों में उत्तर देना है।

खण्ड–1

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिएः **4X15=60**

1. संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान के तत्वों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालें।
2. वैदिक साहित्य का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
3. संस्कृत में वर्णित विज्ञान के प्रमुख आचार्य एवं उनके ग्रंथों का वर्णन करें।
4. पर्यावरण का वर्णन करते हुए दृष्टि विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखें।
5. खगोल विज्ञान क्या है ? प्राचीन कोल विज्ञान के सिद्धांत का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
6. कृषि विज्ञान को स्पष्ट करते हुए वृक्ष रोपने के नियम एवं विधि पर प्रकाश डालें।

खण्ड–2

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **4X10=40**

7. संस्कृत भाषा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालें।
8. गणित विज्ञान का वर्णन करते हुए वेदोत्र साहित्य में वर्णित गणित विज्ञान पर प्रकाश डालें।
9. रस विज्ञान की भारतीय परंपरा का वर्णन करें।
10. प्रसिद्ध वास्तुशास्त्रीय ग्रंथों पर प्रकाश डालें।
11. खगोल विज्ञान क्या है ? प्राचीन खगोल विज्ञान के सिद्धांत का वर्णन करें।
12. वैमानिक विज्ञान क्या है? स्पष्ट करें।